एक नजर

ट्रांसफॉर्मर से ऑयल चोरी करने वाली गैंग के तीन बदमाश गिरफ्तार, पूछताछ जारी

नीमच। जिले के जीरन थाना पुलिस को ट्रांसफार्मर से ऑयल चोरी करने वाले गिरोह के खिलाफ बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी किया गया 38 लीटर ट्रांसफार्मर ऑयल जब्त किया है, जिसकी कीमत करीब 50 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवलसिंह सिसोदिया व नगर पुलिस अधीक्षक किरण चौहान के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी उमेश यादव व पुलिस सहायता केंद्र हर्कियाखाल टीम ने यह कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार 21 मई 2026 को फरियादी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 20 मई की रात ग्राम पालसोड़ा स्थित खेत पर लगे ट्रांसफार्मर से अज्ञात बदमाश ऑयल चोरी कर ले गए। मामले में थाना जीरन पर अपराध क्रमांक 133/2026 धारा 303(2) बीएनएस एवं विद्युत अधिनियम की धारा 135 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी रामनिवास पिता तेजपाल बंजारा निवासी देवीपुरा थाना जीरन, भरत पिता अमरसिंह बावरी निवासी ग्राम पालसोड़ा थाना जीरन तथा नागेश्वर उर्फ कान्हा पिता श्यामलाल बावरी निवासी ग्राम पालसोड़ा को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने ट्रांसफार्मर से ऑयल चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नीली टंकी में भरा 38 लीटर ट्रांसफार्मर ऑयल जब्त कर आरोपियों को न्यायालय में पेश किया।

हमारी आंगनवाड़ी - पोषण भी, पढ़ाई भी... आंगनवाड़ी सेमली इस्तमुरार में अब और सुविधाएं

नीमच। शासन की 'एडॉप्ट एन आंगनवाड़ी' योजना के तहत मनासा क्षेत्र के आंगनवाड़ी केंद्र सेमली ईस्तमुरार को जनभागीदारी से सुसज्जित किया गया है। विद्युत सुविधा: सरपंच एवं सचिव ने आंगनवाड़ी केंद्र में नया विद्युत कनेक्शन करवाकर ट्यूबलाइट व पंखे लगवाए। जिससे गर्मी में बच्चों को राहत मिलेगी और पढ़ाई का माहौल बेहतर होगा। पेयजल व्यवस्था: केंद्र में बच्चों एवं कार्यकर्ताओं के लिए शुद्ध पेयजल हेतु वाटर कैम्पर उपलब्ध करवाए गए हैं। 'एडॉप्ट एन आंगनवाड़ी' का उद्देश्य जनसहयोग से आंगनवाड़ी केंद्रों को संसाधन संपन्न बनाना है, ताकि 'पोषण भी, पढ़ाई भी' की संकल्पना साकार हो सके। सभी जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों से आंगनवाड़ी केंद्रों को गोद लेकर सुविधाएं बढ़ाने में सहयोग की अपील की गई है।

धरती आबा उत्कर्ष ग्राम अभियान 8 गांवों में आयोजित

नीमच। प्रधानमंत्री धरती आबा उत्कर्ष ग्राम अभियान के तहत शुक्रवार को जिले के विभिन्न 8 ग्रामों में आयोजित शिविरों में ग्रामीणों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया। ग्राम पंचायत कोज्या के ग्राम परिछा और रामपुरिया में जनप्रतिनिधि श्री भागचन्द की उपस्थिति में 15 पात्र हितग्राहियों को उज्वला गैस कनेक्शन वितरित किए गए। ग्राम कानोड़ में 07 किसानों के खेतों की मिट्टी का परीक्षण किया और स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किया गया। ग्राम कोज्या में किसानों को किसान फार्मर आई.डी. बनाई। कृषि विभाग द्वारा मिट्टी परीक्षण एवं पशुपालन विभाग ने के.सी.सी. का नवीनीकरण किया। ग्राम पालरी में 30 एवं डोराई में 22 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर, नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गईं। ग्राम डूंगरपुर में 1 से 5 वर्ष के 11 बच्चों के आधार कार्ड बनाए एवं कृषि विभाग ने मिट्टी परीक्षण हेतु किसानों को जानकारी दी। ग्राम दलपतपुरा एवं झांझरवाड़ा में संतृप्ति शिविर में ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उनका निराकरण किया गया।

भगवान सूर्यदेव 25 मई को रोहिणी नक्षत्र प्रवेश करेंगे

नीमच। भगवान सूर्यदेव 25 मई को रोहणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। इसके सात ही नौ तपा शुरु हो जायेंगे, जिसका समापन नौ दिन तक रहेगा। हालांकि नौ तपा से पहले ही धरती तपने लगी है और आसमान से आग जैसी बरस रही है। गर्म हवा के थपेड़ों से दोपहर के समय सडक़ों पर सन्नाटा छाने लगा है। ऐसी मान्यता है कि नौ तपा में धरती के तपने से अच्छी बारिश होने के संकेत मिलते हैं। मौसम विभाग ने भी नौ दिन भीषण गर्मी के संकेत दिये हैं। हिंदू पंचांग में एक ऐसा समय भी आता है जब सूर्य अपनी सबसे तीव्र ऊर्जा के साथ पृथ्वी पर प्रभाव डालते हैं, जिससे गर्मी चरम पर पहुंच जाती है। ज्योतिषाचार्य मुकेश उपाध्याय ने बताया की लगभग नौ दिनों तक चलने वाले नौतपा में भीषण गर्मी पड़ने की संभावनाएं हैं। वहीं ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति बता रही है कि इस दौरान कई स्थानों पर तेज गर्म हवाएं और असहनीय तापमान देखने को मिल सकता है। मान्यता है कि, जब सूर्य देव रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं, तब नौतपा की शुरुआत होती हैं। नौतपा ज्येष्ठ महीने में लगता है, इस दौरान सूर्य का तेज और अग्नि तत्व अत्यधिक सक्रिय हो जाता है, जिसका सीधा असर पृथ्वी और मौसम पर देखने को मिलता है। कहा जाता है कि, नौतपा के दिनों में सूर्य की किरणें अधिक प्रखर होकर धरती पर पड़ती हैं, जिससे तापमान तेजी से बढ़ने लगता है। यही वजह है कि इस समय भीषण गर्मी और तेज लू का सामना करना पड़ता है।

कृति संस्था महिला प्रकोष्ठ की कवियत्री गोष्ठी आज

नीमच। शहर की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था 'कृति' के महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कवियत्री गोष्ठी में समस्त काव्य प्रेमियों का हार्दिक स्वागत किया गया है। सुरमई शाम में उत्कृष्ट कविताओं एवं साहित्यिक प्रस्तुतियों का आनंद लेने हेतु नगरवासियों से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित रहने का आग्रह किया गया है। महिला प्रकोष्ठ प्रभारी श्रीमती आशा सांभर ने जानकारी देते हुए बताया कि यह विशेष कवियत्री गोष्ठी 23 मई 2026, शनिवार रात्रि 8:30 बजे से उनके निवास 43, विकास नगर 14/3 (डॉ. वधवा के सामने) पर आयोजित की जाएगी। संस्था की उपाध्यक्ष श्रीमती निर्मला उपाध्याय ने बताया कि गोष्ठी में नीमच नगर की अनेक प्रतिभाशाली कवयित्रियाँ अपनी स्वरचित रचनाओं का पाठ करेंगी। इनमें श्रीमती सविता चौधरी, श्रीमती प्रियंका कवीश्वर, श्रीमती उमा शुक्ला, श्रीमती माधुरी चौरसिया, श्रीमती महक शर्मा, श्रीमती रेणुका व्यास, श्रीमती पंकज धींग, श्रीमती निर्मल अग्रवाल, श्रीमती वंदना नाटेश्वरी, श्रीमती वर्षा पटवा एवं श्रीमती अलका चोपड़ा सहित अन्य कवयित्रियाँ शामिल रहेंगी।

म.प्र.मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ.अवधेश प्रताप सिह 8 जून को नीमच आएंगे

नीमच। म.प्र.मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ.अवधेश प्रतापसिह 8 जून को नीमच आएंगे। डॉ.सिह 8 जून को कार द्वारा प्रात: 9 बजे माउट आबू से प्रस्थान कर दोपहर 1.30 बजे नीमच सर्किट हाउस पहुंचेगे। आयोग के अध्यक्ष डॉ.अवधेश प्रतापसिह 8 जून सोमवार को अपरान्ह 4.30 बजे जिला जेल नीमच का निरीक्षण करने के बाद शाम 5 बजे उज्जैन के लिए प्रस्थान करेंगे।

नीमच बना मालवा रीजन का नया इंडस्ट्रियल वाइब्रेंट हब

- डेनिम, टेक्सटाइल, फूड प्रोसेसिंग और ग्रीन इंडस्ट्री से मिली नई पहचान
- 'रोजगार आधारित विकास मॉडल' से निवेश और रोजगार दोनों में तेजी

नीमच। मालवा अंचल के नीमच जिले ने पिछले ढाई साल में औद्योगिक विकास की जो रफ्तार पकड़ी है, वह इसे प्रदेश के उभरते मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित कर रही है। औद्योगिक विस्तार, रोजगार सृजन और निवेश की रफ्तार ने नीमच को 'इंडस्ट्रियल वाइब्रेंट हब' के रूप में स्थापित कर दिया है।

झांझरवाड़ा औद्योगिक क्षेत्र इस बदलाव का केंद्र बिंदु बनकर उभरा है। यहां फिलहाल 44 औद्योगिक इकाइयां पूरी तरह उत्पादन में हैं। इसके अलावा अन्य क्षेत्रों में चल रही बड़ी फैक्टरियों ने नीमच जिले को आर्थिक विकास की मुख्य धारा से जोड़ दिया है। यह इस बात का सबूत हैं कि मालवा का यह कोना अब 'मैन्युफैक्चरिंग हब' बनकर उभर रहा है।

जिले में सबसे बड़ा निवेश टेक्सटाइल और डेनिम सेक्टर में देखने को मिल रहा है। झांझरवाड़ा में स्वराज सूटिंग्स प्राइवेट लिमिटेड ने 400 करोड़ रुपए की लागत से विशाल डेनिम यूनिट है, जहां 400 से अधिक युवाओं को रोजगार मिल रहा है। आने वाले समय में रोजगार के और अवसर बढ़ने की संभावना है। इसके अलावा विश्वेश्वरा डेनिम प्राइवेट लिमिटेड भी बड़े स्तर पर कपड़ा एवं परिधान निर्माण इकाई विकसित कर रही है, जिसमें 135 करोड़ का निवेश हो रहा है। वहीं मोरवन क्षेत्र में सुविधि रेयांस की 329 करोड़ रुपए से अधिक लागत की इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल मिल निर्माणाधीन है, जिससे लगभग 1500 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। ओर्टेक्स प्रोसेसर की क्लोदिंग यूनिट भी क्षेत्र में उत्पादन कर रही है।

झांझरवाड़ा में दो सौ से अधिक प्लॉट हैं और सभी प्लॉट का आवंटन हो चुका है। अब यहां प्लॉट नहीं बचे हैं। इस औद्योगिक क्षेत्र में ही करीब 2500 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिल चुका है। एमपीआईडीसी द्वारा अब जिले के चीताखेड़ा में नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहा है, जो 186 हेक्टेयर में है। दरअसल राजस्थान और गुजरात से जुड़ी भौगोलिक स्थिति के कारण यह क्षेत्र उद्योगों के लिए लॉजिस्टिक हब के रूप में भी उभर रहा है। टेक्सटाइल, गारमेंटिंग और डेनिम सेक्टर में तो भीलवाड़ा के विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। क्योंकि भीलवाड़ा से ये मात्र 120 किमी की दूरी पर है। और भीलवाड़ा की कई प्रमुख इकाईयां विस्तार के लिए नीमच की तरफ रुख कर रही हैं। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में यह क्षेत्र टेक्सटाइल, ग्रीन एनर्जी और एग्री-बेस्ड इंडस्ट्री का प्रमुख केंद्र बन सकता है।

सीएम डॉ. यादव की नीतियों से उद्योगों को गति- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार निवेश आधारित विकास मॉडल पर तेजी से काम कर रही है। उद्योगों के लिए प्रक्रियाओं का सरलीकरण, भूमि आवंटन में तेजी, बिजली और आधारभूत सुविधाओं का विस्तार जैसे फैसलों का असर अब जिलों में स्पष्ट दिखाई देने लगा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की 'रोजगार आधारित विकास' और 'उद्योग-गांव कनेक्ट' की सोच के चलते जिले में निवेश और रोजगार के नए अवसर तैयार हो रहे हैं। मुख्यमंत्री लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि मध्यप्रदेश केवल कृषि प्रधान राज्य ही नहीं, बल्कि मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में भी आगे बढ़े।

ग्रीन एनर्जी, फूड प्रोसेसिंग में भी ग्रोथ

केवल टेक्सटाइल और गारमेंटिंग सेक्टर में ही नहीं नीमच अब ग्रीन इंडस्ट्री और वैकल्पिक ऊर्जा क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। मालवा पेट्रो प्रोडक्ट्स, एमपी ग्रीनरिज़, नंदीराज एग्रो प्रोडक्ट्स, ओसवाल एथेनॉल और धनुका बायोटेक जैसी कंपनियां यहां यूनिट ला चुकी हैं, जिनसे जिले के स्थानीय युवाओं को न केवल काम मिल रहा, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था भी तेजी से आगे बढ़ रही है। झांझरवाड़ा में फूड प्रोसेसिंग और पैकेजिंग उद्योगों की मजबूत उपस्थिति देखने को मिल रही है। जैन एग्रो प्रोडक्ट्स, इनाया एग्रो फूड्स, शकील एंड ब्रदर्स और सरकार ट्रेडिंग कंपनी जैसी यूनिट्स खाद्य पैकेजिंग कार्य में सक्रिय हैं। रिद्धि सिद्धि पैकिंग कार्डबोर्ड बॉक्स निर्माण कर रही है, जबकि देशना इंडस्ट्रीज अजवाइन ऑयल उत्पादन और विनी प्रोडक्ट्स अजवाइन ग्रेडिंग का कार्य कर रही है। इन उद्योगों ने कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को नया बाजार उपलब्ध कराया है।

किराना सामग्री से लदी लोडिंग गाड़ी खाई में गिरी, ग्रामीणों ने सवारों को बचाया

नीमच। जिले के कुकड़ेश्वर-मनासा मार्ग पर गुरुवार रात एक लोडिंग गाड़ी सड़क किनारे गहरी खाई में गिर गई। यह हादसा गोटा पिपलिया पुलिया के पास हुआ। गनीमत रही कि हादसे में फंसे लोगों को ग्रामीणों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

मंडावरा ट्रांसपोर्ट की यह गाड़ी किराना सामग्री से लदी हुई थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लोडिंग वाहन तेज रफ्तार में पुलिया के पास पहुंचा और चालक नियंत्रण खो बैठा, जिससे गाड़ी अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। हादसे के समय कोई अन्य राहगीर या वाहन इसकी चपेट में नहीं आया। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने बचाव कार्य शुरू किया और वाहन में फंसे सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

इस दुर्घटना के कारण कुकडेश्वर-मनासा मार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ। प्रारंभिक जांच में वाहन की तेज रफ्तार और चालक द्वारा नियंत्रण खोना हादसे की मुख्य वजह मानी जा रही है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

पति ने बिना तलाक की दूसरी शादी, पत्नी पहुंची थाने ...

- बोली- 4 दिन पहले बताया फिर भी पुलिस ने नहीं रोका

नीमच। जिले के रामपुरा और जावद तहसील से घरेलू हिंसा और अवैध पुनर्विवाह का मामला सामने आया है। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि पुलिस को समय रहते लिखित सूचना देने के बावजूद उसके पति ने दूसरा विवाह कर लिया।

2018 में हुआ था विवाह, दहेज के लिए प्रताड़ना- पीड़िता सपना कछावा निवासी जमालपुरा, रामपुरा का विवाह वर्ष 2018 में जावद तहसील के मोरवन निवासी जोहरसिंह कछावा के साथ हुआ था। उनकी 4 साल की एक बेटी भी है। सपना का आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद से ही पति जोहरसिंह 5 लाख रुपए और कार की मांग को लेकर उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगा। वह शराब पीकर आए दिन मारपीट करता था।

पुलिस पर लापरवाही का आरोप

पीड़िता ने बताया कि उसे अपने पति की दूसरी शादी की जानकारी पहले ही मिल गई थी। सपना ने 21 अप्रैल 2026 को रामपुरा थाने में लिखित आवेदन देकर इस अवैध विवाह को रोकने की गुहार लगाई थी। इसके बावजूद पुलिस ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया और आरोपी जोहरसिंह ने 25 अप्रैल 2026 को बिना तलाक लिए दूसरी शादी रचा ली।

पीड़िता बोली- आरोपी को तुरंत गिरफ्तार करें

पीड़िता और उसके भाई ने अब पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को जोहरसिंह की दूसरी शादी के कार्ड और तस्वीरें साक्ष्य के रूप में दी हैं। सपना का कहना है कि पुलिस की ढिलाई के कारण ही आरोपी के हौसले बुलंद हुए। उन्होंने मांग की है कि आरोपी पति के खिलाफ तत्काल दहेज उत्पीड़न और अवैध पुनर्विवाह की धाराओं में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया जाए, ताकि उसे और उसकी मासूम बेटी को न्याय मिल सके।

खुले में फेंके कचरे ने बढ़ाई मवेशियों की मुसीबत

- प्लास्टिक खाने से हो रहे बीमार

नीमच/मोरवन। ग्राम पंचायत मोरवन द्वारा घरों से कचरा संग्रहण तो किया जा रहा है, लेकिन उसका उचित निस्तारण नहीं होने से गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। पंचायत द्वारा कचरे को खुले मैदान में डाला जा रहा है, जहां भोजन की तलाश में बड़ी संख्या में मवेशियों का जमावड़ा लगा रहता है। इस दौरान मवेशी प्लास्टिक की थैलियां और पॉलिथीन खा लेते हैं, जिससे वे गंभीर बीमारियों के शिकार हो रहे हैं और कई मामलों में उनकी मौत तक हो रही है।

खुले में पड़े कूड़ा-करकट और पॉलिथीन हवा के साथ आसपास के क्षेत्रों में फैल रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार प्लास्टिक में मौजूद कई रसायनों की गंध भोजन जैसी होती है, जिसे पशु खाना समझकर निगल लेते हैं। लेकिन प्लास्टिक को पचा पाना जानवरों के लिए असंभव होता है। कई बार प्लास्टिक उनके गले में फंस जाता है, जिससे दम घुटने लगता है, वहीं पेट में जमा प्लास्टिक संक्रमण और अन्य गंभीर बीमारियों का कारण बनता है।

पशु चिकित्सक डॉ. शुभम ने बताया कि प्लास्टिक खाने के बाद वह धीरे-धीरे जानवरों के पेट में जमा होता रहता है। इससे अपच की समस्या पैदा होती है और जठर ग्रंथि प्रभावित होने लगती है। पाचन शक्ति कमजोर होने से मवेशी बीमार पड़ जाते हैं और कई बार उनकी मौत भी हो जाती है।

ग्रामीण मनोहर जाट और हेमंत जैन ने बताया कि पंचायत द्वारा खुले में छोड़ा गया कचरा हवा से चारों ओर फैल रहा है। गाय और अन्य मवेशी प्लास्टिक खा रहे हैं, जिससे वे बीमार पड़ रहे हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि कचरे का तुरंत निस्तारण किया जाए तथा कचरा संग्रहण स्थल के चारों ओर मजबूत बाउंड्री और गेट लगाया जाए, ताकि मवेशी अंदर प्रवेश न कर सकें और गंदगी बाहर न फैले।

इस मामले में सरपंच प्रतिनिधि लाल सिंह भील ने कहा कि कचरे को नष्ट करने की प्रक्रिया जल्द शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि पहले लोहे की एंगल और तार से बाउंड्री की गई थी, लेकिन अज्ञात चोर पाइप और तार चोरी कर ले गए। जल्द ही पुन: बाउंड्री करवाई जाएगी ताकि मवेशियों को अंदर जाने से रोका जा सके। वहीं पंचायत सचिव रामप्रसाद परमार ने बताया कि एक-दो दिन में जेसीबी की मदद से कचरे का निस्तारण कराया जाएगा। साथ ही स्थायी समाधान के लिए पत्थर और सीमेंट की बाउंड्री वॉल और गेट लगाने का प्रस्ताव उच्च अधिकारियों को भेजा जाएगा, ताकि भविष्य में मवेशी कचरा स्थल तक न पहुंच सकें और कचरा इधर-उधर न फैले।

सगराना में दिनदहाड़े दो मकानों में चोरी, बस्ती से अलग हैं दोनों घर

नीमच। नीमच के कैंट थाना क्षेत्र के ग्राम सागराना में गुरुवार को दिनदहाड़े चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। चोरों ने दो सूने मकानों को निशाना बनाते हुए लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवरात और हजारों की नकदी चुरा ली। यह घटना तब हुई जब दोनों परिवारों के सदस्य घर से बाहर गए हुए थे।

पीड़ित परिवार के सदस्य भगतसिंह ने बताया कि यह घटना दोपहर 3 बजे के आसपास उनकी दादी के घर पर हुई। उनके रिश्तेदार किसी काम से नीमच अस्पताल गए हुए थे। जब वे घर लौटे, तो उन्होंने देखा कि मकान का ताला टूटा हुआ था। चोरों ने अलमारी से 4 तोला सोना, जिसमें 2 तोले के बाजूबंद और 2 तोले का एक हार शामिल है, तथा लगभग 20 से 25 हजार रुपये नकद चुरा लिए।

चोरों ने सिर्फ एक घर को ही नहीं, बल्कि पास में रहने वाले लालाराम नाई के मकान को भी निशाना बनाया। लालाराम के सूने मकान का ताला तोड़कर चोर वहां से 50 हजार रुपए नकद और एक जोड़ी चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए।

भगतसिंह के अनुसार, जिन मकानों में चोरी हुई है, उनके आसपास ज्यादा घनी आबादी नहीं है। मकान थोड़े अलग बने होने के कारण चोरों ने पहले रेकी की कि घर पर कोई मौजूद नहीं है, और फिर इस सुनसान जगह का फायदा उठाकर आसानी से वारदात को अंजाम दिया।

एक नजर ▶ खराब धनिया-मैथी पर सल्फर-कलर का इस्तेमाल किए जाने का आरोप

नीमच के बघाना में मिलावट का खुलासा, गोदाम सील

नीमच। जिले में मिलावटखोरों के खिलाफ प्रशासन ने शुक्रवार को सख्त कार्रवाई की है। उपनगर बघाना थाने के पास अरनिया कुमार स्थित 'पंकज नीरज फर्म' के गोदाम पर जिला प्रशासन और खाद्य विभाग की टीम ने छापा मारा।

निरीक्षण के दौरान, खराब हो चुकी मेथी, धनिया और अजवाइन पर प्रतिबंधित सल्फर केमिकल और सिंथेटिक कलर चढ़ाकर उनकी चमक बढ़ाने का बड़ा खेल सामने आया। प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से गोदाम को सील कर दिया है।

यह कार्रवाई सुबह करीब 11 बजे शुरू हुई, जिसमें एसडीएम संजीव साहू, तहसीलदार संजय मालवीय, खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजू सोलंकी और बघाना थाना प्रभारी राधेश्याम डांगी पुलिस बल के साथ मौजूद थे।

अखाद्य और घटिया गुणवत्ता वाली उपज का स्टॉक- अधिकारियों ने गोदाम के अंदर का दृश्य देखकर हैरानी जताई। वहां अखाद्य और घटिया गुणवत्ता वाली उपज का भारी स्टॉक मिला। परिसर में भट्टियां जल रही थीं, जिनका उपयोग मेथी और धनिए को सल्फर की धूनी देकर चमकाने के लिए किया जा रहा था। टीम ने मौके से लगभग सवा बोरी सल्फर केमिकल और अन्य संबंधित सामग्री जब्त की।

प्रशासन की यह छापामार कार्रवाई सुबह से दोपहर बाद तक जारी रही। खाद्य विभाग की टीम ने मौके से संदिग्ध मेथी, धनिया और अजवाइन के नमूने लिए हैं, जिन्हें प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा जा रहा है।

सल्फर युक्त मैथी, अखाद्य सामग्री

एसडीएम संजीव साहू ने बताया कि कलेक्टर के निर्देश पर अखाद्य और मिलावटी पदार्थों के खिलाफ सघन अभियान चलाया जा रहा है। अरनिया कुमार में पंकज नीरज फर्म के गोदाम पर जांच के दौरान सल्फर युक्त मेथी, अखाद्य सामग्री और भट्टियां पाई गई हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा सभी उपजों के सैंपल लिए गए हैं। फिलहाल गोदाम को सील करने की कार्रवाई की जा रही है। मंडी प्रशासन को भी स्टॉक के मिलान और जांच के निर्देश दिए गए हैं।